ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित साहित्यकारो की सूची
(वर्ष 1965 से 2018 तक)

ज्ञानपीठ पुरस्कार किसे कहते है?

भारतीय ज्ञानपीठ न्यास द्वारा 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' भारतीय साहित्य के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है। भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार की स्थापना साल 1965 में की गयी थी। देश का कोई भी व्यक्ति जो भारतीय संविधान की 8वीं अनुसूची में बताई गई 22 भाषाओं में से किसी भी भाषा में लिखता हो इस पुरस्कार के योग्य है। अब तक हिन्दी तथा कन्नड़ भाषा के लेखक सबसे अधिक 7 बार इस सम्मान को प्राप्त कर चुके हैं। साल 1965 में मलयालम लेखक जी शंकर कुरुप को प्रथम ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

पुरस्कार का वर्ग	साहित्य
स्थापना वर्ष	1965
पुरस्कार राशि	11 लाख रुपये
प्रथम विजेता	जी शंकर कुरुप (मलयालम)
भारत की प्रथम महिला विजेता	आशापूर्णा देवी (बांग्ला)
आखिरी विजेता	अमिताव घोष (2018)
विवरण	भारतीय साहित्य के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार

ज्ञानपीठ पुरस्कार में कितनी पुरस्कार राशि दी जाती है?

इसमें पुरस्कार स्वरूप 11 लाख रुपये, प्रशस्तिपत्र और वाग्देवी की कांस्य प्रतिमा प्रदान की जाती है। जब वर्ष 1965 में ज्ञानपीठ पुरस्कार की स्थापना हुई थी, तो उस समय पुरस्कार राशि मात्र एक लाख रुपये थी। वर्ष 2005 में पुरस्कार राशि को एक लाख रुपये से बढाकर सात लाख रुपये कर दिया गया, जो वर्तमान में ग्यारह लाख रुपये हो चुकी है।

54वां ज्ञानपीठ पुरस्कार 2018:

वर्ष 2018 का 54वां ज्ञानपीठ पुरस्कार अंग्रेजी के प्रतिष्ठित साहित्यकार अमिताव घोष को प्रदान किया जाएगा। अमिताव घोष देश के सर्वोच्च साहित्य पुरस्कार से सम्मानित होने वाले अंग्रेजी के पहले लेखक है। 14 दिसम्बर 2018 को प्रतिभा रॉय की अध्यक्षता में आयोजित ज्ञानपीठ चयन

समिति की बैठक में अमिताव घोष को साल 2018 के लिए 54वां ज्ञानपीठ पुरस्कार देने का निर्णय लिया गया था। पुरस्कार के रूप में उन्हें वाग्देवी की प्रतिमा, 11 लाख रुपए और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। उनकी प्रमुख रचनाओं में 'द सर्किल ऑफ रीजन', 'दे शेडो लाइन', 'द कलकत्ता क्रोमोसोम', 'द ग्लास पैलेस', 'द हंगरी टाइड', 'रिवर ऑफ स्मोक' और 'फ्लड ऑफ फायर' शामिल है।

अंग्रेजी को तीन साल पहले ज्ञानपीठ पुरस्कार की भाषा के रूप में शामिल किया गया था। हिन्दी की प्रतिष्ठित लेखिका कृष्णा सोबती को वर्ष 2017 के प्रतिष्ठित 53वें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

वर्ष 1965 से अब तक ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेताओं की सूची:-

वर्ष	**ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित साहित्यकार**
2018	अमिताव घोष (अंग्रेजी)
2017	कृष्णा सोबती (हिन्दी)
2016	शंख घोष (बांग्ला)
2015	रघुवीर चौधरी (गुजराती)
2014	भालचन्द्र नेमाड़े (मराठी) एवं रघुवीर चौधरी (गुजराती)
2013	केदारनाथ सिंह (हिन्दी)
2012	रावुरी भारद्वाज (तेलुगू)
2011	प्रतिभा राय (ओड़िया)
2010	चन्द्रशेखर कम्बार (कन्नड)
2009	अमरकान्त व श्रीलाल शुक्ल (हिन्दी)
2008	अखलाक मुहम्मद खान शहरयार (उर्दू)
2007	ओ.एन.वी. कुरुप (मलयालम)
2006	रवीन्द्र केलकर (कोंकणी) एवं सत्यव्रत शास्त्री (संस्कृत)
2005	कुँवर नारायण (हिन्दी)
2004	रहमान राही (कश्मीरी)
2003	विंदा करंदीकर (मराठी)
2002	दण्डपाणी जयकान्तन (तमिल)
2001	राजेन्द्र केशवलाल शाह (गुजराती)

2000	इंदिरा गोस्वामी (असमिया)
1999	निर्मल वर्मा (हिन्दी) एवं गुरदयाल सिंह (पंजाबी)
1998	गिरीश कर्नाड (कन्नड़)
1997	अली सरदार जाफरी (उर्दू)
1996	महाश्वेता देवी (बांग्ला)
1995	एम.टी. वासुदेव नायर (मलयालम)
1994	यू.आर. अनंतमूर्ति (कन्नड़)
1993	सीताकांत महापात्र (ओड़िया)
1992	नरेश मेहता (हिन्दी)
1991	सुभाष मुखोपाध्याय (बांग्ला)
1990	वी.के.गोकक (कन्नड़)
1989	कुर्तुल एन. हैदर (उर्दू)
1988	डॉ. सी नारायण रेड्डी (तेलुगु)
1987	विष्णु वामन शिरवाडकर कुसुमाग्रज (मराठी)
1986	सच्चिदानंद राउतराय (ओड़िया)
1985	पन्नालाल पटेल (गुजराती)
1984	तक्षी शिवशंकरा पिल्लई (मलयालम)
1983	मस्ती वेंकटेश अयंगर (कन्नड़)
1982	महादेवी वर्मा (हिन्दी)
1981	अमृता प्रीतम (पंजाबी)
1980	एस.के. पोट्टेकट (मलयालम)
1979	बिरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य (असमिया)
1978	एच. एस. अज्ञेय (हिन्दी)
1977	के. शिवराम कारंत (कन्नड़)
1976	आशापूर्णा देवी (बांग्ला)
1975	पी.वी. अकिलानंदम (तमिल)
1974	विष्णु सखा खांडेकर (मराठी)
1973	दत्तात्रेय रामचंद्र बेन्द्रे (कन्नड़) एवं गोपीनाथ महान्ती (ओड़िया)
1972	रामधारी सिंह दिनकर (हिन्दी)
1971	विष्णु डे (बांग्ला)
1970	विश्वनाथ सत्यनारायण (तेलुगु)

1969	फ़िराक गोरखपुरी (उर्दू)
1968	सुमित्रानंदन पंत (हिन्दी)
1967	के.वी. पुत्तपा (कन्नड़) एवं उमाशंकर जोशी (गुजराती)
1966	ताराशंकर बंधोपाध्याय (बांग्ला)
1965	जी शंकर कुरुप (मलयालम)